मन के जिज्ञासु भाव से ही जीवन का विकास

पिलानी. सीरी संस्थान में आयोजित जिज्ञासा कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

पिलानी. केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में छात्र-वैज्ञानिक कार्यक्रम जिज्ञासा 2019 का समापन हो गया। संस्थान सभागार में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यकारी निदेशक डा. पीके खन्ना ने की। डा. खन्ना ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए मन के जिज्ञासु भाव के महत्व पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मन में सीखने की जिज्ञासा होने से व्यक्ति को सफलता मिलती है। उन्होंने विज्ञान के सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए विज्ञान का स्वभाव, वैज्ञानिक योगदान तथा हालके वैज्ञानिक अनुसंधानों के बारे में विस्तार से बताया। डा. कोटा सोलोमन राजू, डा. सुचंदनपाल, डा. अयन बंदोपाध्याय, डा. नीरज कुमार, डा. टी ईश्वर, नलिनी पारीक एवं संजीव कुमार ने भी अपने विचार रखते हुए वैज्ञानिक अवधारणाओं पर चर्चा की तथा विद्यार्थियों की विज्ञान से जुड़ी शंकाओं का समाधान किया।

इस मौके प्रश्नोत्तर कार्यक्रम भी हुआ। जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत प्रतिभागी विद्यार्थियों को अलग अलग समूहों में संस्थान की प्रयोगशालाओं का अवलोकन करवाते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोंण से अवगत करवाया गया। संस्थान के हिन्दी अधिकारी रमेश बोरा ने बताया कि जिज्ञासा कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करने के लिए किया है। दो दिवसीय जिज्ञासा कार्यक्रम में खेतड़ी, झुंझुनूं, चूरू, इंद्रपुरा तथा कस्बे एवं आस पास के क्षेत्रों में संचालित स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पत्रिका Thu, 22 August 2019
epaper.patrika.com/c/42785968